**Demand to give benefit to villagers by putting closed and abandoned coal mines in use**

**श्रीमती महुआ माजी** (झारखंड): उपसभाध्यक्ष महोदय, झारखंड में रामगढ़, कुजू, भुरकुंडा व अन्य इलाकों में ऐसे ओपेन कास्ट माइंस हैं, जहां से कोयला निकाला जा चुका है और खनन की प्रक्रिया बंद होने के बाद वे खदान परित्यक्त होकर वर्षों से बेकार पड़े हैं। इससे सरकार की सैकड़ों एकड़ बहुमूल्य ज़मीन बर्बाद हो रही है। वे परित्यक्त खदान बारिश के पानी से तालाब बन जाते हैं। अक्सर उनमें नहाते वक्त गहराई का पता न लगने से डूब कर गांव वालों की मौत होती है। खुले परित्यक्त खदान स्वास्थ्य और सुरक्षा की दृष्टि से अत्यंत खतरनाक होते हैं। कोयले की धूल से पर्यावरण प्रदूषित होता है, प्रदूषित पानी के इस्तेमाल से पेड़ पौधों, जीव-जंतुओं, कीड़े-मकोड़ों, मछली आदि को नुकसान पहुंचता है। पीने या खेती में इस्तेमाल करने पर लोग बीमार पड़ते हैं। बंद हो चुके खदानों के इलाके में वैसे भी बेरोज़गारी ज्यादा होती है।

केंद्र सरकार चाहे तो इन परित्यक्त खदानों का इस्तेमाल इलाके की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने में कर सकती है। चूंकि ये अबैन्डेन्ड ओपेन कास्ट माइंस सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड के अधीन आते हैं, इसलिए कंपनी वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट लगाकर ग्रामीणों को वहां से शुद्ध पेयजल उपलब्ध करा सकती है। उसका उपयोग सिंचाई के लिए भी किया जा सकता है।

Fisheries Department मछली पालन द्वारा रोज़गार सृजन कर सकती है। नये उद्योग लाकर उस जल का उपयोग इंडस्ट्रियल परपज़ में भी किया जा सकता है। सुरक्षा के दृष्टिकोण से इन खदानों की फेंसिंग करनी चाहिए। वृक्षारोपण द्वारा कोयले के खतरनाक डस्ट से पर्यावरण को हो रहे नुकसान को कम किया जाना चाहिए।

अत: मेरा सरकार से आग्रह है कि वह इस पर ध्यान दे।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI RAJEEV SHUKLA): The following hon. Members associated themselves with the Special Mention made by hon. Member, Shrimati Mahua Maji: Shri M. Mohamed Abdulla (Tamil Nadu), Dr. Kanimozhi NVN Somu (Tamil Nadu), Dr. Sasmit Patra (Odisha), Shri Niranjan Bishi (Odisha), Shrimati Sulata Deo (Odisha), Dr. V. Sivadasan (Kerala), Dr. John Brittas (Kerala), Shri Sandosh Kumar P (Kerala), Shrimati Jebi Mather Hisham (Kerala), Shrimati Phulo Devi Netam (Chhatisgarh) and Shri Sant Balbir Singh (Punjab).

**Request for establishment of Aviation Varsity in Hyderabad**

DR. K. LAXMAN (Uttar Pradesh): Sir, this is a request for establishment of an Aviation Varsity in Hyderabad. Hyderabad is the sixth largest metropolitan in India, Known for its rich history, culture, varied heritage in arts, crafts, and dance, it is also known as the 'city of pearls'. Hyderabad has several defence, educational, legal, agricultural, training, research and development institutes. The city has 17

universities, including three Central, six State, two deemed, and six private universities. It also has world-class institutes like AIMS, IIT, IIT, ISB, BITS, NALSAR, IP etc. Today, it is home to many multinational companies and global majors, including Microsoft, Google, *Facebook*, CA, *Oracle*, IBM, Dell, TCS, Infosys, Wipro, and others. Apart from IT, Hyderabad is also emerging as a leader in pharmaceuticals, biotechnology, insurance, and tourism sectors. Hyderabad offers good weather all year-long. In view of the presence of Air Force Academy, Dundigal, Air Force Station, Hakimpet, Central Training Establishment, Balanagar, College of Air Warfare at Secunderabad and International Airport at Shamshabad, there is a lot of scope for the establishment of an Aviation varsity in Hyderabad.

4.00 **P.M.**

Sufficient land is available and old airport at Begumpet also can be utilized for this purpose. Short and long-term diploma courses in training and management can be offered if an aviation university is set up. That would be the first of its kind in the country. Therefore, I request you to kindly consider the matter and take steps to set up an aviation university in Hyderabad. Thank you.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI RAJEEV SHUKLA): The following hon. Members associated themselves with the Special Mention made by the hon. Member, Dr. K. Laxman: Shri M. Mohamed Abdulla (Tamil Nadu), Dr. Sasmit Patra (Odisha) and Dr. Kanimozhi NVN Somu (Tamil Nadu).

Now, Shri Raghav Chadha, earlier you missed it. Future onwards, you should be in the House.

**Demand for structural audit in the country**

SHRI RAGHAV CHADHA (Punjab): Thank you, Sir, for permitting me to raise an important matter under the Special Mention. महोदय, मैं इस सदन का ध्यान एक अत्यंत महत्वपूर्ण विषय की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ, जो हमारे public transport sites और महत्वपूर्ण इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे bridges, airports और railway stations के structural audit के सन्दर्भ में है। अभी कुछ दिन पहले हमने देश के विभिन्न भागों में इंफ्रास्ट्रक्चर को collapse होते देखा। बिहार में ना जाने कितने पुल गिर गये, दिल्ली का टर्मिनल 1 एयरपोर्ट, जिसकी छत भारी बारिश के कारण गिर गई, जिससे एक व्यक्ति की मृत्यु हुई और 6 लोग चोटिल हुए। देश के विभिन्न राज्यों से कई हृदयविदारक घंटनाएं हमने देखी हैं, चाहे वो मुंबई में बिलबोर्ड गिरने से लोगो की मृत्यु हो या गुजरात के मोरबी में bridge गिरने से लोगो की मौत। NCRB के अनुसार